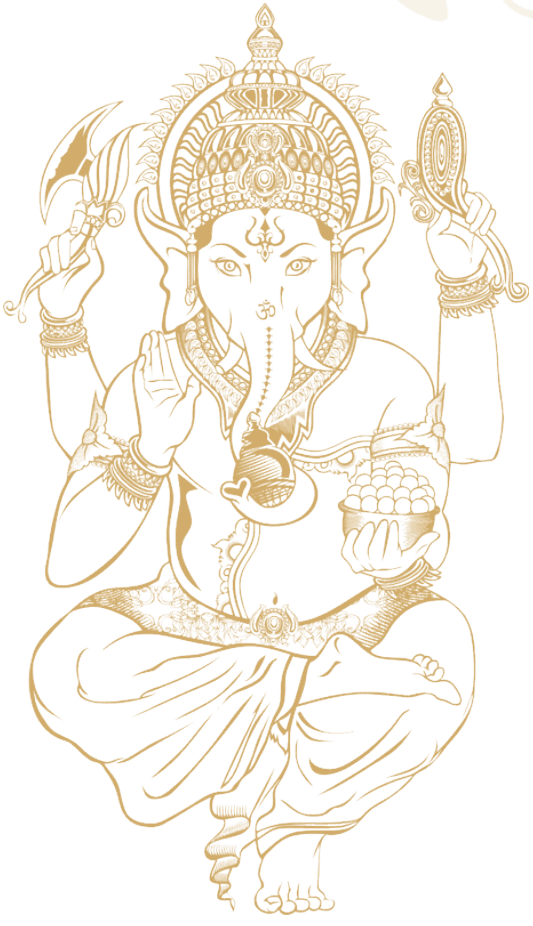

Ankit Kumar

27 Feb 2006

10:30 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121584614

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/02/2006**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**22:30:00 घंटे**
इष्ट	39:12:45 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:08:52 घंटे
वेलान्तर	-00:12:47 घंटे
साम्पातिक काल	08:38:25 घंटे
सूर्योदय	06:48:54 घंटे
सूर्यास्त	18:19:18 घंटे
दिनमान	11:30:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	15:01:00 कुम्भ
लग्न के अंश	10:39:08 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शिव
करण	नाग
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सा-सात्विक
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	10:39:08	310:38:22	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			कुंभ	15:01:00	01:00:18	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	10:33:14	15:15:57	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
मंगल			वृष	11:00:23	00:31:06	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	सम राशि
बुध			मीन	02:11:50	00:29:46	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	नीच राशि
गुरु			तुला	24:52:44	00:00:57	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मक	01:49:05	00:42:15	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
शनि	व		कर्क	11:37:07	00:03:40	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	10:31:52	00:02:26	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	सम राशि
केतु	व		कन्या	10:31:52	00:02:26	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	16:40:32	00:03:27	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप			मक	24:08:40	00:02:10	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो			धनु	02:34:07	00:00:58	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	13:15:32	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:35

लग्न-चलित

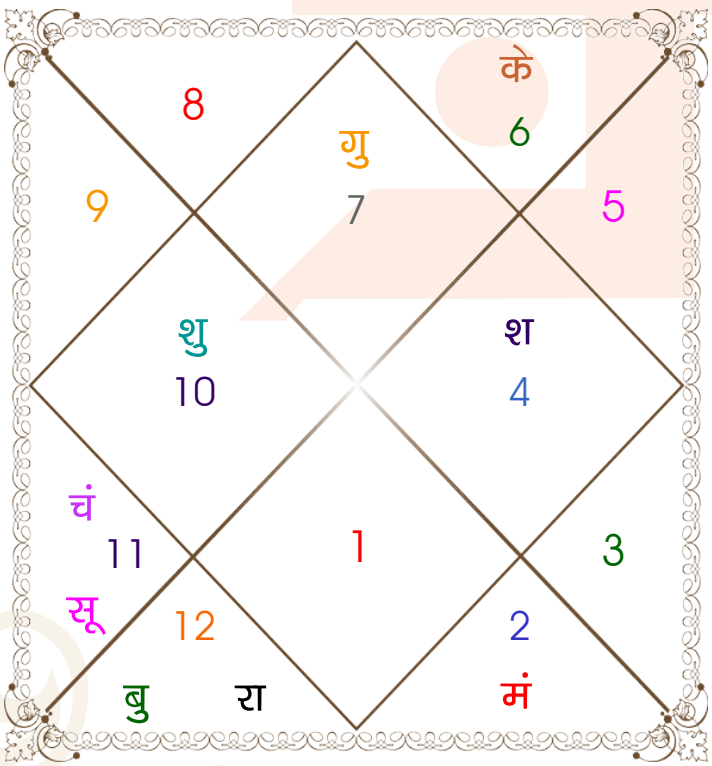

चन्द्र कुंडली

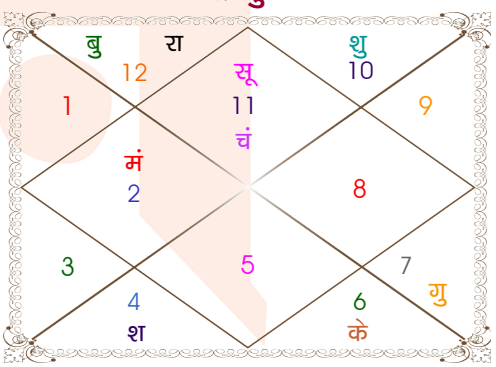

नवमांश कुंडली

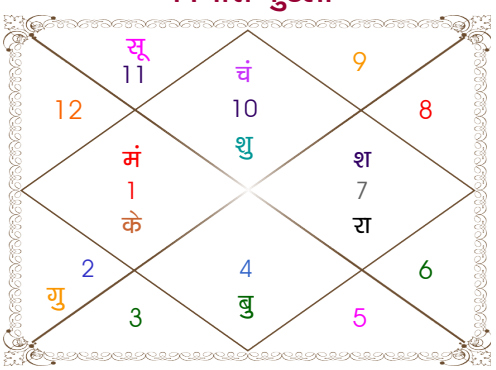

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 12 वर्ष 9 मास 0 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/02/2006		29/11/2018		29/11/2034		29/11/2053		29/11/2070	
29/11/2018		29/11/2034		29/11/2053		29/11/2070		29/11/2077	
	00/00/0000	गुरु	16/01/2021	शनि	02/12/2037	बुध	27/04/2056	केतु	27/04/2071
	27/02/2006	शनि	31/07/2023	बुध	11/08/2040	केतु	24/04/2057	शुक्र	27/06/2072
शनि	10/11/2008	बुध	05/11/2025	केतु	20/09/2041	शुक्र	23/02/2060	सूर्य	01/11/2072
बुध	31/05/2011	केतु	12/10/2026	शुक्र	20/11/2044	सूर्य	29/12/2060	चंद्र	02/06/2073
केतु	17/06/2012	शुक्र	12/06/2029	सूर्य	02/11/2045	चंद्र	31/05/2062	मंगल	30/10/2073
शुक्र	18/06/2015	सूर्य	31/03/2030	चंद्र	03/06/2047	मंगल	28/05/2063	राहु	17/11/2074
सूर्य	12/05/2016	चंद्र	31/07/2031	मंगल	12/07/2048	राहु	14/12/2065	गुरु	24/10/2075
चंद्र	11/11/2017	मंगल	06/07/2032	राहु	19/05/2051	गुरु	21/03/2068	शनि	02/12/2076
मंगल	29/11/2018	राहु	29/11/2034	गुरु	29/11/2053	शनि	29/11/2070	बुध	29/11/2077

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
29/11/2077		29/11/2097		30/11/2103		30/11/2113		30/11/2120	
29/11/2097		30/11/2103		30/11/2113		30/11/2120		00/00/0000	
शुक्र	30/03/2081	सूर्य	19/03/2098	चंद्र	30/09/2104	मंगल	28/04/2114	राहु	13/08/2123
सूर्य	31/03/2082	चंद्र	17/09/2098	मंगल	01/05/2105	राहु	17/05/2115	गुरु	06/01/2126
चंद्र	29/11/2083	मंगल	23/01/2099	राहु	31/10/2106	गुरु	22/04/2116	शनि	28/02/2126
मंगल	29/01/2085	राहु	18/12/2099	गुरु	01/03/2108	शनि	31/05/2117		00/00/0000
राहु	29/01/2088	गुरु	06/10/2100	शनि	30/09/2109	बुध	29/05/2118		00/00/0000
गुरु	29/09/2090	शनि	18/09/2101	बुध	02/03/2111	केतु	25/10/2118		00/00/0000
शनि	29/11/2093	बुध	25/07/2102	केतु	01/10/2111	शुक्र	25/12/2119		00/00/0000
बुध	29/09/2096	केतु	30/11/2102	शुक्र	31/05/2113	सूर्य	01/05/2120		00/00/0000
केतु	29/11/2097	शुक्र	30/11/2103	सूर्य	30/11/2113	चंद्र	30/11/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 12 वर्ष 9 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।